Tele No. 06454243314
Fax No. 06454243314
Mobile No.9473077160

समाहरणालय, पूर्णियॉ
सूचना भवन
जन संपर्क कार्यालय

Website: https://www.prdbihar.gov.in
Email ID :dpro.purnia@gmail.com

प्रेस–नोट

पूर्णियाँ 03 मई। जिले में चक्रवाती तूफान से प्रभावित परिवारों में दिनांक– 02.05.2015 तक कुल प्रभावित परिवारों में से 113425 परिवारों के बीच 5800/– रु0 प्रति परिवार की दर से कुल 657865000.00 रु0 वितरित किये गये जबकि 18873 परिवारों को सूखा राषन एवं पॉलीथीन सीट्स के साथ–साथ 74914 क्विंटल खाद्यान्न का वितरण भी कर दिया गया है।

जैसा कि पूर्व में भी जिले के प्रभावित परिवारों को सूचित किया गया है कि बड़े पैमाने पर राहत सामग्री एवं अनुदान वितरण के मामले पर जिला पदाधिकारी कतिपय षिकायत प्राप्त हुए थे और इस क्रम में दिनांक–02.05.2015 से नगर निगम के सभी 46 वार्डों में तटस्थ जांच दल भेजकर जांच कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। के.नगर प्रखंड के भी 28 विषेष जांच दल द्वारा युद्धस्तर पर परिवारों के बीच भ्रमण कर क्रमवार जांच कार्य प्रारंभ कर दिया गया है तथा प्रतिदिन संख्या 5 बजे इसकी समीक्षा स्वयं जिला पदाधिकारी, पूर्णियाँ द्वारा किया जा रहा है।

जांच कार्य का प्रतिवेदन प्रतिदिन विहित प्रपत्र में जिला प्रषासन, पूर्णियाँ को भेजा जा रहा है। जिला पदाधिकारी द्वारा इसके त्वरित निष्पादन के लिए अपने स्तर से इस पूरे अभियान का संचालन किया जा रहा है । जिला पदाधिकारी का स्पष्ट संदेष है कि किसी भी परिस्थिति में प्रभावितों का सहाय्य अनुदान गैर प्रभावित व्यक्तियों को इसका लाभ नहीं लेने दिया जायेगा। फसल क्षति एवं गृह क्षति अनुदान प्रभावित परिवारों को उनके बैंक एकांट में दिया जायेंगा। जिला प्रषासन द्वारा युद्धस्तर पर इनका गुणवत्तापूर्वक सर्वेक्षण करा रही है तथा जल्द ही इसे जिला के वेवसाईट पर अपलोड कर दिया जायेगा।

जिला पदाधिकारी द्वारा जिले के प्रभावित परिवारों, किसानों एवं सभी जन–जन से लगातार अपील की जा रही है कि प्राकृतिक त्रासदी की इस घड़ी में शान्ति एवं धैर्य बनाये रखें तथा कोई भी ऐसा कदम नहीं उठावें जिससे जिला प्रषासन को विधि व्यवस्था की समस्या का सामना करना पड़े।

कृषि इनपुट(फसल क्षति अनुदान) का सर्वेक्षण

कृषि इनपुट(फसल क्षति अनुदान) का सर्वेक्षण कार्य भी दिनांक–02.05.2015 से प्राथमिकता के आधार पर प्रारंभ किया जा चुका है । कृषि विभाग के पदाधिकारियों की टीम प्रखंडों में सर्वेक्षण कार्य की प्रगति से जिला प्रषासन को लगातार अवगत कराया जा रहा है।

सभी सर्वेक्षण टीमों को कड़ाई से बता दिया गया है कि सर्वेक्षण में कालान्तरण में किसी भी प्रकार की त्रुटियाँ दृष्टिगोचर होने पर दोषी टीम के पदाधिकारी/कर्मी इसके लिए जबाबदेह होंगे तथा त्रुटि में हुए संभावित राषि की वसूली एवं विधि सम्मत कार्रवाई की जायेगी।

भूकम्प से हुए नुकसान की जांच

दिनांक–25.4.2015 एवं उसके बाद लगातार आये भूकंप के झटके के लिए तैयार किये गये 15 टीमों द्वारा युद्धस्तर पर कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। टीम के द्वारा सर्वेक्षण प्रतिवेदन जिला पदाधिकारी महोदय के अवलोकनार्थ भेजा जा रहा है । क्षतिग्रस्त भवनों की विडियोग्राफी भी की जा रही है । इस संदर्भ में जिले के नियंत्रण कक्ष के दूरभाष सं0–06454–241010, 241011, 242319 पर सीधे कोई भी सूचना भेजी जा सकती है।

जिला पदाधिकारी द्वारा स्वयं सर्वाधिक प्रभावित डगरुआ अंचल का दौरा कर चक्रवात से हुए नुकसान का कृषि इनपुट सर्वेक्षण टीम द्वारा तथा भूकम्प से हुए नुकसान के लिये तैयार टीमों के द्वारा की जा रही कार्यों का निरीक्षण किया गया तथा कार्य प्रगति पर संतोष व्यक्त किया गया।

जांच टीम के मॉनिटरिंग के लिए अलग से वरीय पदाधिकारियों का जोन बनाकर भेजा गया है । चतुर्दिक रुप से नुकसान का आंकलन वास्तविकता के आधार पर किया जा रहा है। इसी क्रम में श्री अमोद शरण, जिला भू–अर्जन पदाधिकारी को आदेष दिया गया कि वे डगरुआ में कैंप कर फसल क्षति का सर्वेक्षण शीघ्र पूरा करायें।

जिला पदाधिकारी श्री राजेष कुमार ने क्षतिग्रस्त भवनों के लिए गृहक्षति अनुदान का विस्तृत प्रतिवेदन तैयार कर विषेष सचिव, आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार को भेजा है जिसमें 155 ग्राम पंचायतों में कुल 149692(अनुमानित) प्रभावित परिवारों को चिन्हित् किये जाने का उल्लेख है। कोटिवार क्षतिग्रस्त मकानों के मुआवजा के रुप में जो अधियाचना भेजी गई है उसमें मो0 1675112800.00 रु0 की मांग शामिल है।

जिला सूचना एवं जन सम्पर्क पदाधिकारी,
पूर्णियाँ